इस अंक में

प्रिय पाठकों,

सावन की रिमझिम फुहारों के बीच माह अगस्त के मध्यप्रदेश संदेश का यह अंक उस महत्वपूर्ण समय के दौरान आपके हाथों में पहुँच रहा है जब न केवल देश, बल्कि दुनिया में पहली बार मध्यप्रदेश विधानसभा में आम आदमी को निर्धारित समय-सीमा में लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी देने संबंधी विधेयक पारित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण की जिस कल्पना को मूर्त रूप देने के लिए अनवरत और अथक कोशिशें कर रहे हैं उस संकल्प को पूरा करने के लिए सुशासन पहली शर्त है और इसी के तहत ये विधेयक लाया गया है।

मध्यप्रदेश संदेश के इस अंक में इस विधेयक के बारे में प्रारंभिक जानकारी प्रकाशित की जा रही है। अगले अंकों में इस विषय पर विशेष रूप से फोकस करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के अनुभवी लोगों की इस विधेयक पर राय और नजरिए को भी हम सामने लाने की कोशिश करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने दिल्ली में हुई राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में अगली पंचवर्षीय योजना को वाटर प्लान ऑफ इंडिया घोषित करने की माँग करके ये जता दिया है कि जीवन के बुनियादी तत्वों पर भी उनकी उतनी ही पैनी नजर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान का यह संबोधन भी हम प्रकाशित कर रहे हैं।

शिक्षित समाज में ही विकास की अवधारणाओं को आकार दिया जा सकता है और शिक्षा जीवन के शुरुआती दिनों में ही शिक्षा संस्कारों की भाँति बाल मन के मन और मस्तिष्क के हिस्से बन जाएँ, इस दृष्टि से प्रदेश में हर बच्चे को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान पर वल्लभ डोंगरे की एक नजर। इस अंक के जरिये एक ओर हम बाल गंगाधर तिलक को याद कर रहे हैं तो दूसरी तरफ हाल ही में दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार श्री रामशंकर अग्निहोत्री को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान पिछले दिनों श्रीलंका की यात्रा पर गये थे, वरिष्ठ पत्रकार श्री चंदन मित्रा ने अंग्रेजी दैनिक पॉयोनियर के 4 जुलाई, 2010 के अंक में एक लेख लिखा है। इस लेख का हिन्दी रूपांतर ज्यों का त्यों प्रस्तुत है। इसके अलावा जन और जीवन, समाज और दुनिया से जुड़ी हुई अन्य बहुत-सी पठनीय सामग्री भी।

संपादक